Title: Need to stop telecast `Shaktiman' and other such serials/advertisements adversely affecting the minds of children.

श्री अशोक प्रधानः अध्यक्ष महोदय, दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले शीतल पेय के विज्ञापन की नकल करने के चक्कर में लखनऊ के छः वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत, एक टी.वी. फिल्म में एक अदाकारा को आत्महत्या करते देख दिल्ली के सीलमपुर की नौ वर्षीय छात्रा की खुदकुशी तथा 'शक्तिमान' धारावाहिक के शिकार होते बच्चों की बढ़ती संख्या ने दूरदर्शन के बढ़ते दुष्प्रभाव को उजागर कर दिया है।

मनोबैज्ञानिकों का कहना है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले दृश्य बच्चों के अवचेतन में गहराई से बैठ जाते हैं और उसका असर किसी भी समय हो सकता है। मनोबैज्ञानिकों के अनुसार दूरदर्शन का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बच्चों पर ही पड़ता है क्योंकि वे तर्क-वितर्क किये बिना दूरदर्शन के संदेशों और दृश्यों को सही मान बैठते हैं और उनकी नकल करने लगते हैं।

आस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं के अनुसार दूरदर्शन से निकलने वाली विशेष किरणें मस्तिष्क की कार्य प्रणाली बंद कर देती हैं और बच्चों का मस्तिष्क टी.वी. ि वकिरण सहन नहीं कर पाता है और जब एक बार दिमाग सुन्न हो जाता है तो आंखें टी.वी. के पर्दे पर टिक जाती हैं तथा एक तरह से ब्चचा टी.वी. देखते समय सम्मोहित हो जाता है जिसका कुप्रभाव बच्चों के मस्तिष्क पर होता है।

'शक्तिमान' धारावाहिक के दुष्प्रभाव में अब तक लगभग आधा दर्जन बच्चों के हताहत होने के समाचार आ चुके हैं। ये घटनाएं यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि बच्चे टी.वी. से किस हद तक प्रभावित हो रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि 'शक्तिमान' सहित अनेक ऐसे धारावाहिक और विज्ञापनों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाये जिनको देखने से देश के बच्चों पर दुष्प्रभाव हो रहा है।